विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:०३/०१/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ: एकादश: पाठनाम पर्यावरणम्

पाठ्यांश:

अतएव प्रकृतिरस्माभि:रमणीया ।तेन पर्यावरणं रक्षितं भविष्यति । प्राचीनकाले लोकमङ्गलाशंसिन ऋषयो वने निवसन्ति स्म ।यतो हि वने एव सुरक्षितम् पर्यावरणमुपलभ्यते स्म।विविधा: विहगा:कलकूजितैस्तत्र श्रोत्ररसायनं ददति।

शब्दार्था:

अतएव – इसलिए , रक्षणीया - रक्षा करने योग्य , प्राचीनकाले – पुराने समय में , लोकमङ्गलाशंसिन – जनता का कल्याण चाहने वाले ऋषय:- ऋषि सारे , निवसन्ति स्म – रहते थे , यत: क्योंकि , ददति - देते हैं , विहगा: - पक्षी , कलकूजितै: - मधुर कूजन से, श्रोत्ररसायनं - कानों को अच्छा लगने वाला , सरित: - नदियां

अर्थ

इसलिए हमें प्रकृति की रक्षा करनी चाहिए, उससे पर्यावरण अपने -आप सुरक्षित हो जाएगा ।प्राचीन काल में जनता का कल्याण चाहने वाले ऋषि वन में ही रहते थे ,क्योंकि वन में ही सुरक्षित पर्यावरण प्राप्त होता था।अनेक प्रकार के पक्षी अपने मधुर कूजन से वहां कानों को अमृत प्रदान करते हैं।